विषय-सूची

			पृष्ठ संख्या
1.	सागरमल जैन	: अर्धमागधी आगम साहित्य - एक विमर्श	1
2.	सुदर्शन लाल जैन	: जैन आगम और आगमिक व्याख्या साहित्य - एक अध्ययन	38
3.	श्रीप्रकाश पाण्डेय	: निर्युक्ति साहित्य - एक परिचय	48
4.	अरुण प्रताप सिंह	: मूलाचार में वर्णित आचार नियम : श्वेताम्बर आगम साहित्य के परिप्रेक्ष्य में	60
5.	शीतिकण्ठ मिश्र	: हिन्दी मरु-गुर्जर जैन साहित्य का महत्त्व और मूल्य	70
6.	संजीव भानावत	: हिन्दी जैन पत्रकारिता का इतिहास एवं मूल्य	82
7.	वशिष्ठ नारायण सिन्हा	: अनेकान्त, अहिंसा तथा अपरिग्रह की अवधारणाओं का मूल्यांकन : आधुनिक विश्व समस्याओं के सन्दर्भ में	97
8.	अशोक कुमार सिंह	: प्राचीन जैन ग्रन्थों में कर्मसिद्धान्त का विकासक्रम	101
9.	शिवप्रसाद	: श्वेताम्बर सम्प्रदाय के गच्छों का सामान्य परिचय	114
10.	फूलचन्द जैन "प्रेमी"	: दिगम्बर जैन परम्परा में संघ, गण, गच्छ, कुल और अन्वय	132
11.	नरेन्द्र भानावत	: जैनधर्म में अमूर्तिपूजक सम्प्रदायों का उद्भव एवं इतिहास	141
12.	सुभाष कोठारी	: श्रावकाचार का मूल्यात्मक विवेचन	151
13.	A.K. Chatterjee	: Contribution of Jainism to Indian History	157
14.	R.N. Mehata	: Jahangir and Non-Violence	164